INTERNATIONAL DAY FOR BIODIVERSITY 2025
Harmony with nature and sustainable development

LiFE Lifestyle for Environment

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस

के अवसर पर दिनांक 22 मई, 2025 को

''प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य''

"Harmony with Nature and Sustainable Development"

आधारित विषयवस्तु पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा

मार्स आडिटोरियम, इन्दिरा गॉधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ

में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

शुभारम्भ सत्रः

दिनांक 22 मई, 2025 को अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री योगी आदित्यनाथ जी के कर कमलों द्वारा मार्स आडिटोरियम, इन्दिरा गॉधी प्रष्ठिान, गोमती नगर, लखनऊ में इस वर्ष की विषयवस्तु ''प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य'' **"Harmony with Nature and Sustainable Development"** पर किया गया। विषयगत कार्यशाला में विभिन्न स्कूल/कॉलेजों/विश्वविद्यालय के छात्र/छात्राओं, वरिष्ठ वनाधिकारियों, विभिन्न लाईन डिपार्टमेण्ट्स के अधिकारियों, जैव विविधता प्रबन्ध समितियों के सदस्यों, प्रगतिशील कृषकों, जैव विविधता संरक्षण में लगे संगठनों सहित लगभग 650 से अधिक प्रतिभागियों द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन में प्रतिभाग किया गया।

मनोज सिंह

राष्ट्रीय संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, श्री मनोज सिंह जी ने अपने सम्बोधन में कहा कि वर्ष 1993 में अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस माह दिसम्बर में मनाया जाता था। वर्ष 2000 से अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस का आयोजन से दिनॉक 22 मई को किया जा रहा है। इस अवसर पर उन्होंने यह भी अवगत कराया कि पर्यावरण शब्द भारतीय संविधान में नहीं था। पर्यावरण शब्द को प्रथम बार वर्ष 1976 में संविधान में शामिल किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि भारतीय संविधान की धारा–48 में सरकार के लिए प्रकृति की रक्षा करना, परिलक्षित व संरक्षित करना शमिल किया गया तथा धारा–51 में समाज के लिए दायित्व दिया गया कि वह भी प्रकृति की रक्षा करने के साथ प्रकृति को परिलक्षित व संरक्षित करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वाहन किया कि पर्यावरण तथा आस पास जो भी प्रजातियॉ हैं उनका संरक्षण व संवर्धन करें।

डा0 अरूण कुमार सक्सेना

राष्ट्रीय संगोष्ठी के अति विशिष्ट अतिथि माननीय राज्य मन्त्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डॉ0 अरूण कुमार सक्सेना जी ने अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस की विषयवस्तु ''प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य'' पर प्रकाश डालते हुए पर्यावरण के महत्व तथा संरक्षण हेतु विचार व्यक्त किये। उन्होंने माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यशस्वी माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की प्रगति व सुरक्षा व्यवस्था को नये आयाम मिले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में विगत तीन वर्षों में 100 करोड़ से अधिक वृक्षारापेण का कार्य किया गया, जिससे हमारे वनावरण व वृक्षावरण में वृद्धि हुई है ।

डा0 सक्सेना ने अपने उद्बोधन में एक उदाहरण के माध्यम से जनमानस को सम्बोधित करते हुए बताया कि पर्यावरण व विकास एक तराजू के दो पलड़े के समान हैं जहॉ एक तरफ विकास है तो दूसरी तरफ पर्यावरण। यदि दोनों में से कोई भी पलड़ा हल्का हुआ तो प्रकृति के लिए भयावह स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अतः यह महत्वपूर्ण है कि दोनों पहलुओं को संतुलित रखते हुए सामंजस्य बनाये रखने का प्रयास करना चाहिए।

अपने सम्बोधन में डा0 सक्सेना ने बताया कि जैव विविधता सिर्फ जीव–जन्तुओं, पेड़–पौधों या सूक्ष्म जीवों की संख्या मात्र न होकर परस्पर निर्भरता व जीवन का प्रतीक है। प्रकृति में विद्यमान प्राणि

व पादप प्रजातियाँ परस्पर निर्भर है तथा हमारी असावधानी से किसी एक प्रजाति के विलुप्त हो जाने पर अन्य बहुत सी प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट उत्पन्न हो जाता है। भौगोलिक व जलवायु विविधता के कारण हमारा प्रदेश विभिन्न प्रकार की प्राणि व पादप प्रजातियों का वासस्थल तथा जैव विविधता की दृष्टि से समृद्ध है। हमारे प्रदेश में 2932 पादप प्रजातियां एवं 2434 प्राणि प्रजातियॉ पाई जाती हैं। हमारी पृथ्वी के जैविक मंडल में विभिन्न प्रकार की जलवायु, भौगोलिक धरातल एवं वानस्पतिक अवरण है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक वर्ष की भॉति इस वर्ष भी 35 करोड़ पौध रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष हम लक्ष्य से अधिक पौध लगायेंगें और वृक्ष लगाना ही अभियान न होकर साथ ही साथ हम पेड़ लगाने से अधिक पेड़ बचाने पर बल देगें। अन्त में उन्होंने अपने सम्बोधन में यह भी कहा कि इस वर्ष हम ऑगनबाड़ी आदि स्थानों पर छायादार पौधे सहजन इत्यादि लगाने पर बल देगें ताकि पथिकों को आवागमन के समय छाया प्रदान हो सके।

योगी आदित्यनाथ

राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश, श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान में अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर 'प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी–2025 का उद्घाटन करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किये, इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने ग्रीन बजट और जैव विविधता पर पुस्तिकाओं का विमोचन किया। जैव विविधता आधारित चित्रकला, निबन्ध लेखन व वाद–विवाद प्रतियोगिता के विजेता छात्र–छात्राओं को पुरस्कृत तथा कॉर्बन क्रेडिट के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान करने वाले पर्यावरणविदों को सम्मानित किया। इसके पूर्व, मा0 मुख्यमंत्री जी ने विविध पर्यावरण उत्पादों पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जैव विविधता का महत्व भारत से अधिक कोई अन्य देश नहीं समझ सकता। सनातन धर्मावलम्बी के घर में मांगलिक कार्यों पर शान्ति पाठ आयोजित किया जाता है। यह शान्ति पाठ केवल वहां रहने वाले व्यक्तियों के कल्याण के लिए नहीं होता, बल्कि इसकी शुरुआत द्यौ शान्तिः, अन्तरिक्ष शान्तिः, पृथ्वी शान्तिः, आपः शान्ति, वनस्पतयः शान्तिः आदि से होती है। अर्थात सम्पूर्ण चराचर जगत के कल्याण की कामना के साथ मांगलिक अनुष्ठान प्रारम्भ होता है।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जैव विविधता संरक्षण के विषय में वर्ष 1992 में वैश्विक पटल पर चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दुनिया को आश्वस्त किया कि वर्ष 2070 तक भारत नेट जीरो के लक्ष्य को प्राप्त करेगा। इस लक्ष्य को प्राप्त करने का काम केवल सरकार के स्तर पर नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। जब पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक प्रयास

आगे बढ़ेंगे, तो उसके अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे। जो व्यक्ति प्रकृति के जितना अधिक नजदीक रहेगा, वह स्वयं को उतना ही अधिक स्वस्थ महसूस करेगा।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के बॉयोडायवर्सिटी बोर्ड ने जैव विविधता संरक्षण के लिए अभियान को आगे बढ़ाया है। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन इसी क्रम में किया गया है। पर्यावरण प्रकृति और मानव का समन्वित रूप है। प्रकृति और मानव के समन्वय के बिना पर्यावरण संरक्षण की कल्पना नहीं की जा सकती।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में जीव–जन्तुओं के अचानक परिवर्तित व्यवहार को देखकर आश्चर्य होता है। कोई जंगली जानवर बिना किसी कारण के हिंसक नहीं होता है। इन कारणों पर हमें विचार करना पड़ेगा। पहले घर में चींटियां निकलने के स्थान पर हमारे बड़े–बुजुर्ग आटा और चीनी डालने को कहते थे। चींटियां यह सामग्री लेकर वापस चली जाती थीं। अब चींटियां निकलने पर लोग कीटनाशक स्प्रे कर उन्हें मार देते हैं। माता जानकी की रक्षा करने वाले जटायु रामायण के पहले बलिदानी माने जाते हैं। आज जटायु के संरक्षण के लिए केन्द्र बनाने पड़ रहे हैं। केमिकल, फर्टिलाइजर और पशुओं के लिए प्रयुक्त होने वाली दवाओं के अत्यधिक प्रयोग से इनके जीवन पर संकट उत्पन्न हो रहा है। प्रकृति के शोधन का काम करने वाला गिद्ध आज अपने अस्तित्व के लिए जूझ रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने यह संदेश दिया कि यदि मनुष्य को अपना अस्तित्व बचाना है, तो उसे जीव–जन्तुओं, जलस्रोतों, पर्यावरण आदि के संरक्षण की दिशा में कार्य करना पड़ेगा। साथ ही, पर्यावरण के समन्वित रूप के विषय में गहन चिन्तन की आवश्यकता है।

तकनीकी सत्रः–

डा0 ए.के. सिंह

डॉ0 ए.के. सिंह, फार्मर डायरेक्टर, आईसीएआर–डायरेक्ट्रेट ऑफ कोल्डवॉटर फिशरीज रिसर्च, भीमताल, नैनीताल, उत्तराखण्ड ने विषयवस्तु आधारित अपने प्रस्तुतिकरण Bio-invasions, Threats and Challenges के माध्यम से बताया कि आक्रामक प्रजातियां किसी नए पारिस्थितिकी तंत्र में देशी प्रजातियों को नुकसान पहुंचाती हैं वे देशी जीवों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं, उनके आवास को बदल देते हैं और यहां तक कि उन्हें विलुप्त होने की कगार पर भी ला सकते हैं। कुछ आक्रामक प्रजातियां मानवीय अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदेह साबित होती हैं।

संजय सिंह

श्री संजय सिंह, से0नि0, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश ने अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025 की विषयवस्तु ''प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य'' की भूमिका व महत्व पर विचार व्यक्त करते हुऐ कहा कि धरती पर जीवन के समस्त रूपों को बनाए व बचाए रखने, वनस्पति व पशु पक्षियों की नस्लों में सुधार, स्थानीय समुदाय की औषधि, भोजन, वस्त्र व आजीविका सहित दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति, आर्थिक उन्नति, मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य एवं सौन्दर्यबोध बनाए रखने हेतु जैव विविधता संरक्षण आवश्यक हैं।

डा0 मुनव्वर खालिद

डा0 मुनव्वर खालिद, प्रोफेसर, इन्टीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ ने विषयवस्तु आधारित अपने प्रस्तुतिकरण Harmony with Nature and Sustainable Development Success के माध्यम से जैव आक्रमण, संकट तथा चुनौतियॉ विषय पर प्रकाश डाला।

डा0 संजीव नायका

डॉ0 संजीव नायका, प्रधान साइंटिस्ट, एन.बी.आर.आई., लखनऊ ने अपने प्रस्तुतिकरण Exploring the Diversity of Non-Flowering Plants in India, with Emphasis on Lichens के माध्यम से भारत में गैर–पुष्पीय पौधों की समृद्ध विविधता यथा– फर्न, मॉस और विशेष रूप से जो कवक और शैवाल या सायनोबैक्टीरियम के बीच सहजीवी संबंध को दर्शाता है पर विस्तृत व्याख्यान दिया।

डा0 प्रीति कनौजिया

डा0 प्रीति कनौजिया, सीनियर प्रोग्राम डायरेक्टर सेन्टर फॉर इन्वायरमेन्ट एजूकेशन, नार्थ ने अपने प्रस्तुतिकरण Role of PBR and BMCs in Biodiversity Conservation के माध्यम से जैव विविधता संरक्षण में जन जैव विविधता पंजिका एवं जैव विविधता प्रबन्ध समितियों की भूमिका पर आधारित महत्वपूर्ण पहलुओं को दर्शाते हुए तथा इनका जैव विविधता संरक्षण व संवर्धन में योगदान को सम्मिलित करते हुए व्याख्यान दिया।

समापन सत्र

बी0 प्रभाकर

श्री बी0 प्रभाकर, सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए जैव विविधता संरक्षण हेतु समय–समय पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सम्मेलन व संधियों, प्रख्यापित अधिनियमों व नियमों का उल्लेख करते हुए प्रदेश की वन जैव विविधता व पशु जैव विविधता का विस्तृत परिचय दिया। श्री प्रभाकर ने स्थापना के उपरान्त उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा जैव विविधता संरक्षण की दिशा में किए गए प्रयासों व कार्यों से भी अवगत कराया।

सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड कर ने समापन सत्र एवं धन्यवाद ज्ञापन में माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ जी, माननीय राज्य मन्त्री, (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश डॉक्टर अरूण कुमार सक्सेना जी एवं माननीय राज्य मन्त्री, पर्यावरण, वन व जलवायु परिवर्तन एवं जन्तु उद्यान, उत्तर प्रदेश श्री के0पी मलिक जी, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश, श्री मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश शासन की गरिमामयी उपस्थिति हेतु आभार व्यक्त किया।

मुख्य अतिथि, अति विशिष्ट अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा तैयार की गई पुस्तक ''प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य'' का विमोचन

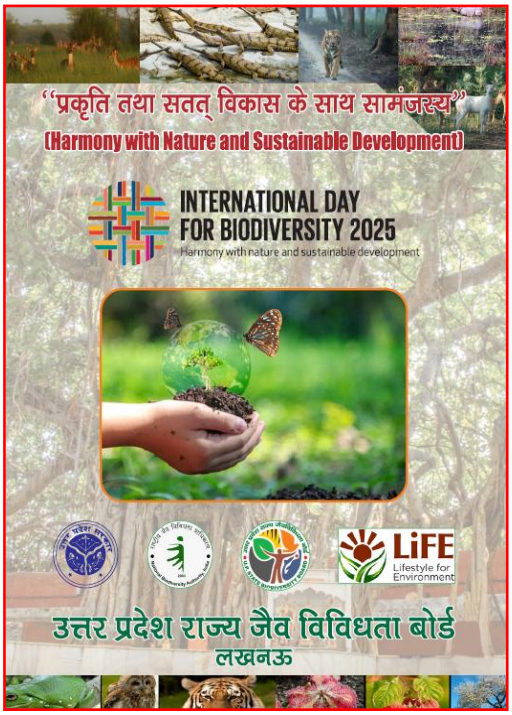

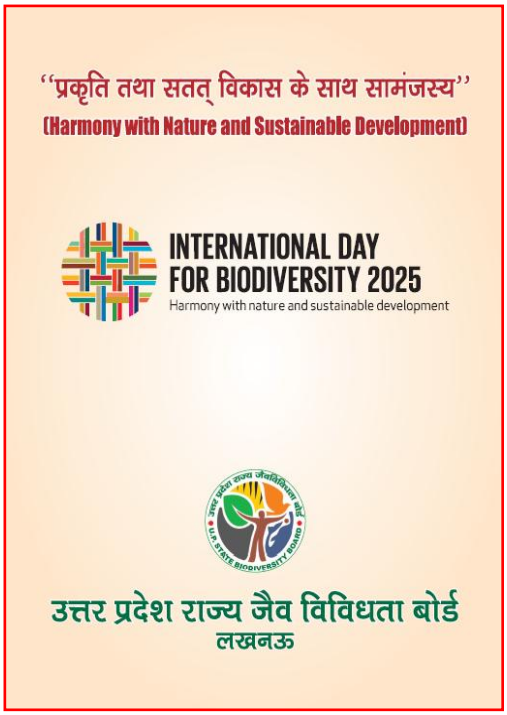

दिनांक 22 मई, 2025 को मुख्य अतिथि, अति विशिष्ट अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदर्शनी का शुभारम्भ व फोटोग्राफी प्रतियोगिता/स्टॉलों का अवलोकन अवलोकन करते हुए

अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस
COME AND EXPLORE
Dudhwa
The Home of Tiger

divine life
BAMBOO

Perfect for
every trip.
ZEISS
ZEISS Terra ED Binoculars

TOP
10 ACHIEVEMENTS
IN LAST 10 YEARS
15 MoUs SIGNED WITH INSTITUTIONS OF REPUTE
40 K
Perfect for
every trip.

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर दिनांक 22 मई, 2025 को

''प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य''

"Harmony with Nature and Sustainable Development"

विषयवस्तु पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा मार्स आडिटोरियम, इन्दिरा गॉधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में आयोजित फोटोग्राफी प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागी

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर दिनांक 22 मई, 2025 को

''प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य''

"Harmony with Nature and Sustainable Development"

विषयवस्तु पर उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा मार्स आडिटोरियम, इन्दिरा गॉधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ में राष्ट्रीय संगोष्ठी की झलकियॉ

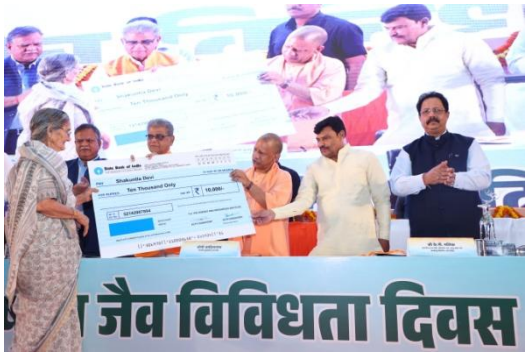

निमंत्रण पत्र

अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस (22 मई 2025) के अवसर पर लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी का कार्यक्रम

समय	सत्र	वक्ता
09.30–10.30 पूर्वान्ह	पंजीकरण	
10.30–10.45 पूर्वान्ह	मा0 मुख्य अतिथि/विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रदर्शनी/ स्कूली बच्चों द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता/स्टॉलों का अवलोकन।	
10.45–11.00 पूर्वान्ह	मंचासीन मा0 मुख्य अतिथि/विशिष्ट अतिथियों का पुष्प देकर स्वागत।	
11.00–11.10 पूर्वान्ह	संगोष्ठी का उद्देश्य	श्री अनिल कुमार, प्रमुख सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 शासन/अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ
11.10–11.20 पूर्वान्ह	उद्बोधन	श्री मनोज कुमार सिंह, मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार।
11.20–11.30 पूर्वान्ह	उद्बोधन	मा0 श्री के0पी0 मलिक,राज्य मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 सरकार।
11.30–11.45 पूर्वान्ह	उद्बोधन	मा0 डा0 अरूण कुमार सक्सेना, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ0प्र0 सरकार।
11.45 पूर्वान्ह	उद्बोधन	मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश सरकार।
धन्यवाद ज्ञापन		श्री सुनील चौधरी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक और विभागाध्यक्ष, उ0प्र0, लखनऊ।
	स्वल्पाहार	

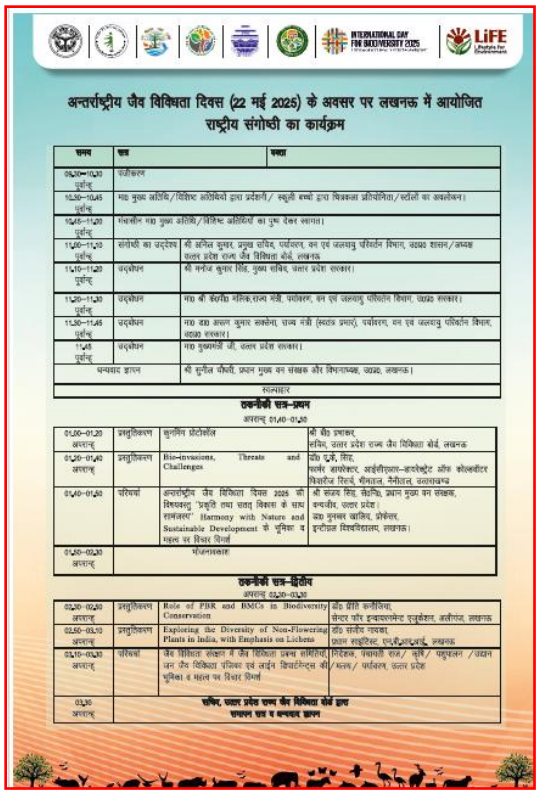

तकनीकी सत्र–प्रथम

अपरान्ह 01.40–01.50

01.00–01.20 अपरान्ह	प्रस्तुतिकरण	कुनमिंग प्रोटोकॉल	श्री बी0 प्रभाकर, सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड, लखनऊ
01.20–01.40 अपरान्ह	प्रस्तुतिकरण	Bio-invasions, Threats and Challenges	डॉ0 ए.के. सिंह, फार्मर डायरेक्टर, आईसीएआर–डायरेक्टोरेट ऑफ कोल्डवॉटर फिशरीज रिसर्च, भीमताल, नैनीताल, उत्तराखण्ड
01.40–01.50	परिचर्चा	अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस 2025 की विषयवस्तु 'प्रकृति तथा सतत् विकास के साथ सामंजस्य' Harmony with Nature and Sustainable Development के भूमिका व महत्व पर विचार विमर्श	श्री संजय सिंह, सेवनि0, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्यजीव, उत्तर प्रदेश। डा0 मुनव्वर खालिद, प्रोफेसर, इन्टीग्रल विश्वविद्यालय, लखनऊ।
01.50–02.30 अपरान्ह	भोजनावकाश		

तकनीकी सत्र–द्वितीय

अपरान्ह 02.30–03.30

02.30–02.50 अपरान्ह	प्रस्तुतिकरण	Role of PBR and BMCs in Biodiversity Conservation	डॉ0 प्रीति कनौजिया, सेन्टर फॉर इन्वायरमेन्ट एजुकेशन, अलीगंज, लखनऊ
02.50–03.10 अपरान्ह	प्रस्तुतिकरण	Exploring the Diversity of Non-Flowering Plants in India, with Emphasis on Lichens	डॉ0 संजीव नायका, प्रधान साइंटिस्ट, एन.बी.आर.आई., लखनऊ
03.10–03.30 अपरान्ह	परिचर्चा	जैव विविधता संरक्षण में जैव विविधता प्रबन्ध समितियों, जन जैव विविधता पंजिका एवं लाईन डिपार्टमेन्ट्स की भूमिका व महत्व पर विचार विमर्श	निदेशक, पंचायती राज/ कृषि/ पशुपालन /उद्यान /मत्स्य/ पर्यावरण, उत्तर प्रदेश
03.30 अपरान्ह	सचिव, उत्तर प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड द्वारा समापन सत्र व धन्यवाद ज्ञापन		

समाचार पत्रों से

'Biodiversity conservation collective responsibility'

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Chief minister Yogi Adityanath on Thursday emphasised the need for collective responsibility and participation in conserving the environment.

"It is not the responsibility of the government alone but requires active involvement from all sections of society," he said while inaugurating a national seminar-2025 organised at Indira Gandhi Pratishthan here on the occasion of the International Biodiversity Day.

CM Yogi Adityanath attends the national seminar on biodiversity at Indira Gandhi Pratishthan in Lucknow on Thursday HT PHOTO

"Biodiversity conservation gained international attention in 1992. PM Narendra Modi assured the world that India will achieve the goal of net-zero by 2070. But this target is not alone the responsibility of government but our collective responsibility," the CM said.

"The development model adopted is becoming self-destructive. Don't know who gave order to cut trees of mango and jamun. If you cannot plant saplings, don't cut trees," Yogi added.

He urged people to live in harmony with nature, drawing upon India's Vedic philosophy and Sanatan traditions which underscore the deep cultural reverence for the environment.

Reflecting on India's self-reliant rural traditions, he recalled how villages once had barns, pasture lands, ponds and compost pits, all contributing significantly to environmental sustainability. Solid waste was turned into compost, ponds ensured hygiene, and pasture lands supported livestock, the CM said.

"However, these time-tested practices have been neglected in pursuing modernity, leading to ecological imbalance and rise of disease," he added. He said practices like converting ponds into drainage outlets and encroaching on pastures are short-sighted and self-destructive.

Highlighting UP's commitment to environmental protection, the CM said the State Biodiversity Board is spearheading new campaigns. Over the past eight years, the forest department has significantly expanded the state's green cover by planting over 210 crore trees.

"Under the Namami Gange initiative, progress has been made in restoring the cleanliness and flow of the Ganga, especially in Kanpur. Today, the Ganga flows clean and vibrant in that region, reflecting the success of these focused efforts," Yogi said.

पर्यावरण के लिए हानिकारक सिद्ध हो रहे आधुनिक विकास माडल : योगी

मुख्यमंत्री बोले, हमें अस्तित्व बचाना है तो पर्यावरण संरक्षण के लिए करने होंगे सामूहिक प्रयास

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को आधुनिक विकास के माडल पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये पर्यावरण के लिए हानिकारक सिद्ध हो रहे हैं। हम हर काम मशीनीकरण की ओर ले जा रहे हैं, चाहे वह ड्रेनेज हो या औद्योगिक कचरा। हमें प्राकृतिक उपायों को अपनाना होगा। जटायु जैसे पक्षियों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए योगी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और दवाओं के दुष्प्रभाव ने इन प्रजातियों को विलुप्ति के कगार पर पहुंचा दिया है। हमें अपनी परंपराओं के प्रति कृतज्ञता दिखानी होगी। लोगों से आह्वान किया कि जैव विविधता संरक्षण को जनांदोलन बनाना होगा। यह सृष्टि केवल मनुष्य के लिए नहीं है। अगर हमें अपना अस्तित्व बचाना है, तो जीव-जंतुओं, जल स्रोतों और पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक प्रयास करने होंगे। उप्र जैव विविधता बोर्ड इस दिशा में प्रयासरत है।

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में योगी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने भारत के वैदिक दर्शन और सनातन परंपराओं का उल्लेख करते हुए प्रकृति के साथ सामंजस्य की आवश्यकता को लेकर लोगों से अपील भी की। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण भारत की स्वावलंबी परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले हर गांव में खलिहान, गोचर भूमि, तालाब और खाद के गड्ढे होते थे, जो पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे। उन्होंने सनातन धर्म की उस परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को देवताओं के साथ जोड़ा जाता है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने जैव विविधता पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया और स्टाल पर जाकर उत्पादों की जानकारी ली। उन्होंने ग्रीन बजट और जैव विविधता पुस्तिका का विमोचन किया। चित्रकला, निबंध लेखन और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान किया और एनजीओ व किसानों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में वन मंत्री डा. अरुण कुमार सक्सेना, राज्यमंत्री केपी मलिक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, प्रमुख सचिव अनिल कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सुनील चौधरी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर संगोष्ठी को संबोधित करते हुए • सूचना विभाग

'हर विधानसभा क्षेत्र में मिनी स्टेडियम, हर मंडल में बने स्पोर्ट्स कालेज'

राज्य ब्यूरो, जागरण• लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर विधानसभा क्षेत्र में एक मिनी स्पोर्ट्स स्टेडियम और हर मंडल में एक आधुनिक स्पोर्ट्स कालेज बनाने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। इन स्पोर्ट्स कालेजों को सेंटर आफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाए और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी से जोड़ा जाए, ताकि खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिल सकें।

गुरुवार को खेल, युवा कल्याण और प्रांतीय रक्षक दल विभाग की समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट किया कि खेल से जुड़ी सभी निर्माण परियोजनाएं समय और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरी की जाएं। हर सप्ताह वरिष्ठ अधिकारी, हर 15 दिन में प्रमुख सचिव और हर महीने मंत्री स्तर पर मानीटरिंग होनी चाहिए।

स्पोर्ट्स कालेज में स्पोर्ट्स एंड इंजरी मैनेजमेंट सेंटर

लखनऊ के गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कालेज में स्पोर्ट्स एंड इंजरी मैनेजमेंट सेंटर बनाया जाएगा, जिसमें एसजीपीजीआइ या केजीएमयू जैसे संस्थानों का सहयोग लिया जाएगा। योगी ने निर्देश दिए कि खेल विभाग और युवा कल्याण विभाग के खाली पदों पर भर्ती प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाए, जिससे योजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू किया जा सके।

पीआरडी जवान और मंगल दल बनेंगे आपदा मित्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि पीआरडी जवानों व मंगल दलों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया जाए। उन्हें 'आपदा मित्र' की जिम्मेदारी भी सौंपी जाए। ट्रैफिक मैनेजमेंट की ट्रेनिंग देकर उन्हें यातायात नियंत्रण में भी लगाया जाए। मंगल दल को दी जाने वाली स्पोर्ट्स किट की नियमित मानीटरिंग व उनकी भागीदारी को एमपी-एमएलए खेल प्रतियोगिता में सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि तीन मंडलों में स्पोर्ट्स कालेज संचालित हो रहे हैं और तीन अन्य में निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। शेष 12 मंडलों में भी जल्द ही निर्माण शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि खिलाड़ियों के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। खेल प्रतियोगिताओं को एकीकृत करते हुए एमपी-एमएलए स्पोर्ट्स गेम्स से जोड़ा जाए। हर जिले में हर आयु वर्ग के लिए खेल प्रतियोगिताएं कराई जाएं।

पर्यावरण व विकास के बीच सामंजस्य जरूरी : योगी

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर सीएम ने दिया प्रकृति संग समरसता का संदेश

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पर्यावरण और विकास के बीच सामंजस्य जरूरी है। विकास का ऐसा मॉडल अपनाएं जो आत्मघाती न हो। यह सृष्टि सिर्फ मनुष्य के लिए नहीं है। अगर हमें अपने अस्तित्व को बचाना है, तो जीव-जंतुओं, जल स्रोतों और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से काम करना होगा।

सीएम बृहस्पतिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर हुई संगोष्ठी के उद्घाटन के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की है। हम हर काम को मशीनीकरण की ओर ले जा रहे हैं, चाहे वह ईंधन हो या औद्योगिक कचरा।

प्राकृतिक उपाय अपनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में जल शोधन की देसी पद्धतियां थीं। जटायु जैसे पक्षियों के संरक्षण पर बल देते हुए कहा कि रासायनिक खाद और दवाओं ने इनको विलुप्ति के कगार पर पहुंचा दिया है। सीएम ने जैव विविधता पर आधारित प्रदर्शनी देखी। ग्रीन बजट और जैव विविधता पुस्तिका का विमोचन किया। छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया।

सीएम ने कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 10 हजार की प्रोत्साहन राशि भी दी। कार्यक्रम में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, राज्यमंत्री केपी मलिक, मुख्य सचिव मनोज सिंह आदि शामिल हुए।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बृहस्पतिवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुस्तिका का विमोचन करते सीएम योगी आदित्यनाथ, वन मंत्री अरुण कुमार सक्सेना, मुख्य सचिव मनोज सिंह। - संवाद

समझाया सनातनी परंपराओं का महत्व : सीएम ने कहा कि सनातन परिवार में संसार के प्रत्येक जीव-जंतु और प्रकृति कल्याण की कामना के साथ मांगलिक कार्य शुरू होते हैं। अथर्ववेद में कहा गया है कि धरती हमारी माता है, लेकिन बेटा होने के नाते हम क्या कर रहे हैं? उन्होंने सनातन धर्म की उस परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को देवताओं के साथ जोड़ा गया है। कहा, पहले लोग चींटियों को मारने के बजाय आटा और चीनी देकर उन्हें प्राकृतिक रूप से हटाते थे।

खलिहान, गोचर भूमि और तालाब पर्यावरण संरक्षक

योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने 2070 तक भारत को नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लिया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति में हर व्यक्ति का योगदान जरूरी है। पहले हर गांव में खलिहान, गोचर भूमि, तालाब और खाद के गड्ढे होते थे, जो पर्यावरण संरक्षक थे। गांवों में सॉलिड वेस्ट को खाद के गड्ढों में डालकर कंपोस्ट बनाया जाता था। तालाब स्वच्छता के प्रतीक थे और गोचर भूमि पशुओं के लिए आरक्षित थी, लेकिन आधुनिकता की दौड़ में हमने इन परंपराओं को भुला दिया। इससे पर्यावरणीय असंतुलन और बीमारियां बढ़ रही हैं।

अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर होगा औरैया का मेडिकल कॉलेज

सीएम ने अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान संगोष्ठी को किया संबोधित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महापुरुषों को जाति, मत या मजहब के आधार पर नहीं बांटा जा सकता। पिछली सरकारों ने महापुरुषों को विभाजित करने का प्रयास किया। सपा सरकार में औरैया में माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर स्थापित डिग्री कॉलेज का नाम बदलने का प्रयास किया गया। सीएम ने औरैया मेडिकल कॉलेज का नाम माता अहिल्याबाई होल्कर के नाम पर रखने की घोषणा की।

सीएम बृहस्पतिवार को अपने सरकारी आवास पर पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होल्कर की जन्म त्रिशताब्दी वर्ष स्मृति अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की सकारात्मक ऊर्जा से देश के 140 करोड़ लोग प्रेरित हो रहे हैं। सीएम ने कहा नया भारत किसी को छेड़ता नहीं, लेकिन अगर कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ता भी नहीं ऑपरेशन सिंदूर इसका जीवंत उदाहरण है।

सीएम ने कहा, अहिल्याबाई ने छोटी उम्र में विवाह के बावजूद शिक्षा जारी रखी और 1725 से 1795 तक आदर्श शासन की स्थापना की। पशुपतिनाथ, रामेश्वर, महाकाल, काशी विश्वनाथ व सोमनाथ के मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया। बनारस की तरह माहिष्मति की सीढ़ियां और नर्मदा घाट की भव्यता उनके भव्य शासन की गवाही है। सीएम ने भाजपा कार्यकर्ताओं से कहा कि वे 10 दिनों तक लोगों को माता अहिल्याबाई के जीवन और योगदान के बारे में बताएं। ब्यूरो

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

अपने युवा

जैव विविधता दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दी नसीहत, राजधानी में विभिन्न कार्यक्रम हुए

प्रकृति के लिए आत्मघाती न हो विकास का मॉडल : योगी

आयोजन

08 वर्षों में 210 करोड़ पौधे लगाने पर वन विभाग की सराहना की

10 हजार प्रोत्साहन राशि दी गई उत्कृष्ट कार्य करने वालों को

- कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को किया सम्मानित
- मुख्यमंत्री ने कहा हमारे वेदों में प्रकृति संरक्षण का पाठ पढ़ाया गया

लखनऊ, प्रमुख संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विकास के साथ-साथ प्रकृति संरक्षण को भी महत्व की नसीहत गुरुवार को दी। अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि विकास का मॉडल ऐसा होना चाहिए जो प्रकृति के लिए आत्मघाती न हो। उन्होंने आधुनिक विकास मॉडल पर सवाल उठाए और कहा कि पर्यावरण व विकास के बीच सामंजस्य बहुत जरूरी है। विकास व पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ चले।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रकृति तथा सतत विकास के साथ सामंजस्य विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने नागरिकों को प्रकृति व पर्यावरण के प्रति कर्तव्यबोध भी कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण सबकी जिम्मेदारी है। सरकार के साथ समाज भी अपनी भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन परंपराएं प्रकृति के प्रति गहरे सम्मान को दर्शाती हैं। वेदों में प्रकृति संरक्षण का पाठ पढ़ाया गया है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लिया है। ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन और उनके अवशोषण को संतुलित किया जाएगा। इसमें नागरिकों को अपना सहयोग देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने ग्रीन बजट व जैव विविधता पुस्तिका का विमोचन और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्बन क्रेडिट के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वालों को 10-10 हजार की प्रोत्साहन राशि दी। एनजीओ फार्मर्स को प्रशस्ति पत्र भी दिया। वहीं चित्रकला, निबंध लेखन व वाद विवाद प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री केपी मलिक, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह व अन्य मौजूद रहे।

कानपुर में स्वच्छ और निर्मल हो गई गंगा

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन विभाग की पीठ थपथपाई। उन्होंने कहा कि बीते आठ वर्षों में 210 करोड़ पौधे लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानपुर जो कभी नमामि गंगे के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण क्षेत्र माना जाता था। अब वहां पर गंगा स्वच्छ व जीवंत है। उन्होंने कहा सरकार पर्यावरण के संरक्षण के लिए ठोस कदम उठा रही है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के मौके पर लगी प्रदर्शनी देखते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। •हिन्दुस्तान

प्रदर्शनी में बांस के मकान

अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के मौके पर इंदिरागांधी प्रतिष्ठान में प्रदर्शनी लगाई गई। जहां बांस के बने उत्पाद की प्रदर्शनी को देखने के लिए मुख्यमंत्री डेढ़ से दो मिनट रुके रहे। उन्होंने बांस की कलाकृतियों और घरों में इस्तेमाल होने वाले बांस के उत्पाद को बारीकी से देखा। प्रदर्शनी में बांस के बने मकान से लेकर मोबाइल फोन और पेन के स्टैंड लोगों को पसंद आए। बांस के बने बैठका, कुर्सी, मेज, बोतल, फोटो फ्रेम, नैपकिन होल्डर आकर्षण में रहे।

कार्यशाला में उपाय बताए

पहली बार रिमोट सेन्सिंग में जैव विविधता दिवस मनाया गया। इंडियन सोसायटी ऑफ जियोमैटिक्स लखनऊ चैप्टर एवं रिमोट सेन्सिंग एप्लीकेशन्स सेंटर के संयुक्त प्रयास से कार्यक्रम आयोजित किया गया। एसीएसआईआर कोआर्डिनेटर व एनबीआरआई की चीफ साइंटिस्ट डा. विधु ए सेन ने जैव विविधता से जुड़ी चुनौतियों का प्रस्तुतिकरण किया। जहां शहरी जैव विविधता से हो रहे नुकसान से निपटने के बारे में लोगों को जागरूक किया।

एलयू में लगी प्रदर्शनी

एलयू के वन्य जीव संस्थान, राज्य संग्रहालय ने विश्व जैव विविधता दिवस पर कला में वन्य जीव विषयक प्रदर्शनी व क्ले मॉडलिंग कार्यशाला और जैव विविधता पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। कार्यक्रम प्रभारी सहायक निदेशक अल-शाज फात्मी और धनंजय राय ने जैव विविधता के महत्व के साथ प्रदर्शनी में लगी लघुचित्रों में उकेरे गए कई तरह के वन्य जीवों से जुड़ी जानकारी दी। समन्वयक प्रो. अमिता कनौजिया ने जैव विविधता पर जानकारी दी।